सरदार पटेल विश्वविद्यालय

स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग

एम.ए.(हिन्दी) सेमेस्टर-१ (CBCS)

२०१७-१८ से २०२०-२१

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का नाम		क्रेडिट
PA01CHIN21	भक्तिकाव्य	गृहकार्य/सेमिनार	४+१=०५
PA01CHIN22	नाटक एवं अन्य विधाएँ (निबंध एवं जीवनी)	गृहकार्य/सेमिनार	४+१=०५
PA01CHIN23	भाषाविज्ञान	गृहकार्य/सेमिनार	४+१=०५
PA01EHIN21	नाट्य सिद्धांत अथवा (OR)	गृहकार्य/सेमिनार	४+१=०५
PA01EHIN22	दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन : इतिहास		
PA01EHIN23	लोक साहित्य अथवा (OR)	गृहकार्य/सेमिनार	४+१=०५
PA01EHIN24	अनुवाद सिद्धांत, स्वरूप, क्षेत्र		= २५

अंकविभाजन : पूर्णांक-१००

आन्तरिक परीक्षा :

वस्तुनिष्ठप्रश्न - ०८X१=०८

लघुत्तरी प्रश्न - ०६X२=१२

गृहकार्य/सेमिनार - ०५+०५=१०

कुल=३०

बाह्य परीक्षा :

आलोचनात्मक - ०२X१७= ३४

०१X१८ = १८

टिप्पणी/व्याख्यात्मक - ०२X०९ = १८

कुल = ७०

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का नाम	क्रेडिट
PA01CHIN21	**भक्तिकाव्य**	**०५**
इकाई-१	○**कबीर (सं.माताप्रसाद गुप्त)** ○कबीर कृतित्व ○कबीर की गुरु महिमा का महत्व, कबीर की प्रेम भक्ति ○कबीर का समाज दर्शन,निर्गुण काव्य परम्परा और कबीर ○व्याख्या,साखियाँ, ○गुरु महिमा कौ अंगः १,३,४,६,७,८,९,१०,११,१२,१४,२८,३३,३४,३५ ○सुमिरन कौ अंग- ८.९.२१.२२.२९ ○विरह कौ अंगः २०,२१,२२,२४,२५,२६,२७,,२९,४०,४१ ○पद संख्याः १,५,११,१६,२४,२७,३३,५५,५७,५८	०१
इकाई-२	○ **जायसी ग्रंथावली (सं.आचार्य रामचन्द्र शुक्ल)** ○ पद्मावत (गोरा बादल युद्ध खंड) व्याख्या हेतु । ○ जायसी का कृतित्व ○ पद्मावतः संक्षिप्त परिचय ○ गोरा बादल युद्ध खंडः वैशिष्टय ○जायसी की काव्य भाषा	०१
इकाई-३	○**भ्रमरगीत सार- सूरदास (सं.आचार्य रामचन्द्र शुक्ल)** ○**व्याख्या हेतु पद** **संख्याः**१,२,३,४,७,८,११,२३,२४,२५,२९,३४,३६,४२,४५,५२,५६,६२,६४,६८,७०,७५,८५,८९,९५,९९,१००,११४,११६, तथा १३२ ○सूर का कृतित्व,भ्रमरगीत : उद्भव-नामकरण ○भ्रमरगीत काव्य परम्परा,भ्रमरगीत वैशिष्ट्य,सूर की काव्य भाषा	०१
इकाई-४	○**रामचरित मानस (अयोध्याकांड) तुलसीदास(सं.योगेन्द्र प्रतापसिंह)** ○तुलसीदास का कृतित्व ○कवितावलीः उत्तर कांड ○कवितावलीकी विशेषताएँ ○उत्तर कांडकी विशेषताएँ ○कवितावली के चुने हुए २५ छंदों की व्याख्या	०१
इकाई-५	**गृहकार्यएवं सेमिनारः** सरहपाद, गोरखनाथ, चंदवरदाई, अमीर खुसरो, विद्यापति, दादू, मीराबाई ।	०१

सन्दर्भ ग्रंथ :

- कबीर - पं.हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकशन, दिल्ली ।
- कबीर मीमांसा- डॉ.रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती इलाहाबाद ।
- जायसी ग्रन्थावली - सं. आ. रामचन्द्रशुक्ल नागरीप्रचारिणीसभा ।
- मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य - डॉ. शिवसहाय पाठक साहित्य भवन प्रा.लि. इलाहाबाद ।
- सूरदास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल नागरी प्रचा. सभा, काशी ।
- भक्ति आंदोलन और सूरदास - डॉ.मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन दिल्ली ।

- गोस्वामी तुलसीदास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचा. सभा, काशी ।
- लोकवादी तुलसीदास - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली ।
- कबीर और तुलसी के काव्य की अन्तर्वस्तु - डॉ. दयाशंकर, पार्श्व प्रकाशन, अहमदावाद ।
- मध्यकालीन हिन्दी काव्य-सं. डॉ.दिलीप मेहरा, ज्ञान प्रकाशन, कानपुर ।
- हिन्दी साहित्य का आदिकाल-हजारी प्रसाद द्विवेदी-राजकमल प्रकाशन दिल्ली ।
- हिन्दी साहित्य का इतिहास-श्री रामचन्द्र शुक्ल-नागरी प्रचारिणीसभा काशी ।
- विद्यापति-डॉ. शिवप्रसाद सिंह-विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
- भक्तिकाव्यः पुर्नपाठ डॉ. दयाशंकर,अनुज्ञा बुक्स-दिल्ली ।
- पंचरग चोला पहर सखी री डॉ. माधव हाडा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का नाम	क्रेडिट
PA01CHIN22	**नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ (निबंध एवं जीवनी)**	**०५**

इकाई-१	○आधुनिक हिन्दी नाटक की विकास यात्रा ○पूर्व प्रसाद युग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर, स्वातत्र्योत्तर नाटक	०१
इकाई-२	○चन्द्रगुप्त - व्याख्याएँ ○चन्द्रगुप्तनाटक का नामकरण ○चाणक्य,चन्द्रगुप्त का चरित्र ○ चन्द्रगुप्तकी रंगमंचीयता	०१
इकाई-३	**जीवनी** ○जीवनी का अर्थ, विकासयात्रा, विशेषताएँ ○कलम का सिपाही	०१
इकाई-४	**निबंध** ○परिभाषा - विकास - विशेषताएँ नाखून क्यों बढ़ते हैं - व्याख्या एवं वैशिष्ट्य करुणा - व्याख्या एवं निबंध का वैशिष्ट्य विकलांग श्रद्धा का दौर - व्याख्या- वैशिष्ट्य	०१
इकाई-५	**गृहकार्य एवं सेमिनार** ○भारतेन्दु, धर्मवीर भारती, मोहनराकेश, शंकर शेष,विद्यानिवास मिश्र, बालकृष्ण भट्ट, महादेवी वर्मा, अमृतराय ।	०१

संदर्भ ग्रन्थ

- प्रसाद के नाटक - जयदेव तनेजा।
- प्रसाद के नाटक - सर्जनात्मक धरातल और भाषिक चेतना- गोविंद चातक।
- प्रसाद के नाटक तथा रंगमंच - सुभाषपाल मल्होत्रा - राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली ।
- रंगमंच और जयशंकर प्रसाद के नाटक - डॉ. रीतारानी पालीवाल, साहित्यनिधि, दिल्ली ।
- हिन्दी निबंधकार - जयनाथ नलिन ।
- महीयसी महादेवी वर्मा - डॉ. गंगाप्रसाद पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद ।
- प्रसाद के नाटक में नारी पात्र-मुकुलरानी सिंह- जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का नाम	क्रेडिट
PA01CHIN23	**भाषाविज्ञान**	**०५**

	भाषा और भाषाविज्ञान	
इकाई-१	○भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण ○भाषा-संरचना और भाषिक प्रकार्य,भाषा की विशेषताएँ या प्रवृत्तियाँ ○भाषाविज्ञानः स्वरुप एवं व्याप्ति,भाषाविज्ञानः अध्ययन की दिशाएँ	०१
	स्वन प्रक्रिया	
इकाई-२	○स्वन की अवधारणा,स्वनों का वर्गीकरण ○वागवयव और उनके कार्य,स्वनिम की अवधारणा और भेद	०१
	व्याकरण	
इकाई-३	○रूप प्रक्रिया का स्वरूप,रूपिम की अवधारणा और भेद ○वाक्य की अवधारणा और भेद,अभिहितान्वयवाद और अन्वितिभिधानवाद	०१
	अर्थविज्ञान	
इकाई-४	○अर्थ की अवधारणा,शब्द और अर्थ का संबंध ○अर्थपरिवर्तन की दिशाएँ,अर्थ परिवर्तन के कारण	०१
	गृहकार्य एवं सेमिनार	
इकाई-५	○ साहित्य और भाषा विज्ञान, भाषा विज्ञान और व्याकरण, मौखिक-लिखित और साहित्यिक भाषा, साहित्यिक अध्ययन में भाषा-विज्ञान की भूमिका	०१

संन्दर्भ ग्रन्थ

-भाषा विज्ञान- डॉ.भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद ।

-भाषा विज्ञान की भूमिका-डॉ. देवेद्रनाथ शर्मा, रामकृष्ण प्रकाशन दिल्ली ।

-भाषा विज्ञान की रूपरेखा- डॉ. हरीश शर्मा, अमित प्रकाशन गाजियाबाद । (उ.प्र)

-हिन्दी भाषा और भाषा विज्ञान- डॉ. अशोक शाह, अमर प्रकाशन, सदर बाज़ार, मथुरा ।

-भाषा चिन्तन की भारतीय परम्परा- त्रिभूवननाथ शुक्ल,जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

-भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा का स्वरुप व विकास-देवेन्द्र प्रसाद सिंह, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का नाम	क्रेडिट
PA01EHIN21	**नाट्य सिद्धान्त**	**०५**

इकाई-१	○ भारतीय नाट्य सिद्धान्त	**०१**
इकाई-२	○ पाश्चात्य नाट्य सिद्धान्त	**०१**
इकाई-३	○ भारतीय नाट्यतत्व- वस्तु, नेता,रस	**०१**
इकाई-४	○ पाश्चात्य नाट्यतत्व-वस्तु, कार्य, अन्तर्द्वंद्व, चरमोत्कर्ष	**०१**
इकाई-५	**गृहकार्य एवं सेमिनार** ○ भारतीय और पाश्चात्य नाट्य सिद्धान्त की तुलना	**०१**

संदर्भ ग्रन्थ

-नाट्यशास्त्र-आचार्य भरत

-दशरूपक-धनंजय

-रंगमंच कला और दृष्टि-गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।

-रंगमंच-बलवन्त गार्गी

-आधुनिक हिन्दी नाट्यकारों के नाट्य सिद्धान्त- डॉ. निर्मला हेमन्त, अक्षर प्रकाशन नई दिल्ली ।

-भारतीय रंगमंच शास्त्र एवं आधुनिक रंगमंच- डॉ. कैलाशचन्द्र शर्मा, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का नाम	क्रेडिट
PA01EHIN22	**दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन : इतिहास**	**०५**

	माध्यमोपयोगी लेखन एवं प्रमुख प्रकार	
इकाई-१	-मुद्रण माध्यम, रेडियो, टी.वी, फिल्म	०१
	रेडियो नाटक की प्रविधि	
इकाई-२	-रेडियो नाटक लेखन-प्रक्रिया, श्रव्य की प्रधानता	०१
	-ध्वनि की प्रधानता, उच्चारण की स्पष्टता, -भाषा की सहजता	
	रंग नाटक	
इकाई-३	-पाठ्य नाटक और रेडियो नाटक का अंतर	०१
	रेडियो नाटक के प्रमुख भेद	
इकाई-४	-रेडियो धारावाहिक, रेडियो रूपांतरण, संगीत रूपक	०१
	-आलेख रूपक (डॉक्यूमेंन्ट्री फीचर)	
इकाई-५	**गृहकार्य/सेमिनार**	
	-दैनिकजीवन में रेडियो टी.वी. फिल्म की उपयोगिता	०१
	-शिक्षा में रेडियो टी.वी. फिल्म का महत्व	
	-समाज पर रेडियो टी.वी. फिल्म का प्रभाव	
	-रोजगार में रेडियो टी.वी. फिल्म का महत्व	

संदर्भ ग्रन्थः

-सूचना प्रद्यौगिकी और जनमाध्यम- डॉ. हरिमोहन।

-दृश्य-श्रव्य माध्यम : सिद्धांत और व्यवहार- सं. डॉ. मदन मोहन शर्मा, स.प. विश्वविद्यालय वल्लभ विद्यानगर ।

-दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन- डॉ. राजेन्द्र मिश्र ।

-समकालीन भारत एवं संचार माध्यम- सुधीर सोनी, युनिवर्सिटी पब्लिकेशन, जयपुर ।

-दृश्य श्रव्य माध्यम : विविध परिप्रेक्ष्य- डॉ. दिलीप मेहरा, अमर प्रकाशन मथुरा ।

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का नाम	क्रेडिट
PA01EHIN23	**लोकसाहित्य**	**०५**

इकाई-१	○लोकः अवधारणा ○लोकः जन एवं ग्राम ○लोकवार्ताः अवधारणा ○लोकवार्ताः परिव्याप्ति	**०१**
इकाई-२	○लोक संस्कृतिः अवधारणा ○लोक संस्कृतिः तत्व ○लोक संस्कृतिः वैशिष्ट्य ○लोक संस्कृति एवं शिष्टसंस्कृतिमें अंतर	**०१**
इकाई-३	○लोक साहित्यः शाब्दिक अर्थ ○लोक साहित्यः परिभाषा ○लोक साहित्यः वैशिष्ट्य ○लोक साहित्यः क्षेत्र	**०१**
इकाई-४	○लोक साहित्य विषयक अध्ययन कार्यः संक्षिप्त परिचय ○हिन्दी लोक साहित्य के पाश्चात्य अध्येता ○हिन्दी लोक साहित्यः भारतीय अध्येता -पं. रामनरेश त्रिपाठी -देवेन्द्र सत्यार्थी -डॉ. सत्येन्द्र -कृष्णदेव उपाध्याय	**०१**
इकाई-५	○ **गृहकार्य/सेमिनार** **-**सामाजिक जीवन और लोक साहित्य, शिष्टसाहित्य और लोक साहित्य, -लोक साहित्य के अध्ययन की उपयोगिता	**०१**

संदर्भ ग्रन्थः

-लोक साहित्य : सिद्धांत और प्रयोग - डॉ. श्रीराम शर्मा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा ।

-लोक साहित्य और संस्कृति- दिनेश्वर प्रसाद, जयभारती प्रकाशन इलाहाबाद ।

-भारत में लोक साहित्य- डॉ. कृष्णदेव उपाद्याय, साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद ।

-लोक साहित्य-द्विजराम यादव ।

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का नाम	क्रेडिट
PA01CHIN24	**अनुवाद सिद्धांत, स्वरूप क्षेत्र**	**०५**

इकाई-१	अनुवाद की व्युत्पत्ति, अर्थ	०१
इकाई-२	अनुवाद की विविध परिभाषाएँ	०१
इकाई-३	अनुवाद स्वरुप	०१
इकाई-४	अनुवाद विविध क्षेत्र	०१
इकाई-५	गृहकार्य/सेमिनार -आज के युग में अनुवादकी उपयोगिता, -अनुवाद का भारतीय परिदृश्य -भारतीय भाषाओं से हिन्दी में अनुवाद -हिन्दी से भारतीय भाषाओं में अनुवाद -गुजराती से हिन्दी,हिन्दी से गुजरती में अनुवाद	०१

संदर्भ ग्रन्थ

-अनुवाद कला : सिद्धांत और प्रयोग- डॉ. कैलाश चन्द्र, भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली-२ ।

-अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा- डॉ. सुरेशकुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली-२ ।

-अनुवाद, अनुभव और अवदान- डॉ. आरसू, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

-अनुवाद विज्ञान-सिद्धेश्वर कश्यप ।

-अनुवाद नमूने एवं पैमाने- डॉ. आरसू